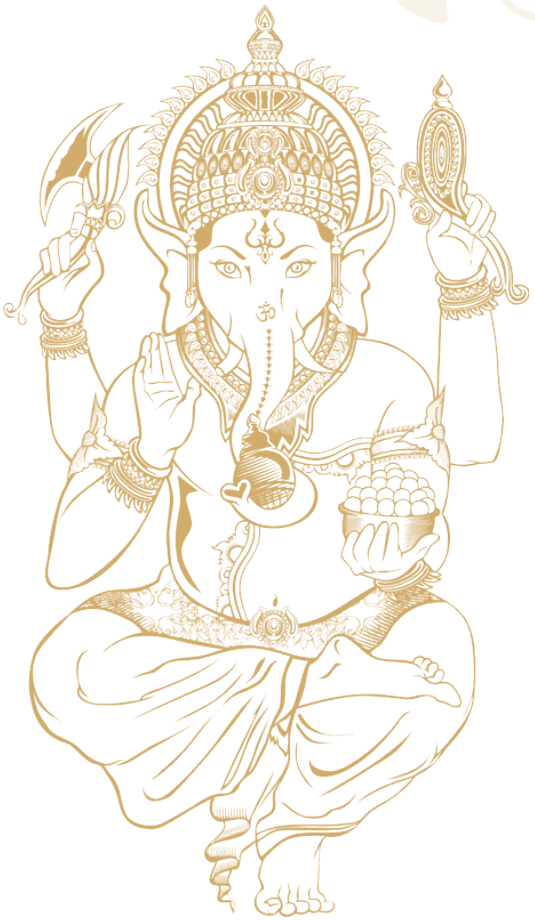

Himanshu

Ranu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121034203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/11/1997	जन्म तिथि	16-17/10/2001
बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 12:06:00	जन्म समय	03:22:00 घंटे
घटी 13:11:17	जन्म समय(घटी)	52:17:53 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kankroli
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:03:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:29	सूर्योदय	06:32:58
17:34:54	सूर्यास्त	18:06:14
23:49:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 1वर्ष 0मा 14दि		17:47:49	मक	लग्न	सिंह	15:45:10	मंगल 2वर्ष 10मा 25दि	
बुध		03:08:13	वृश्चि	सूर्य	कन्या	29:43:13	गुरु	
03/12/2017		02:28:02	कर्क	चंद्र	तुला	01:08:08	12/09/2022	
04/12/2034		13:46:16	धनु	मंगल	धनु	28:51:05	12/09/2038	
बुध	01/05/2020	22:40:19	वृश्चि	बुध व	कन्या	23:40:34	गुरु	30/10/2024
केतु	28/04/2021	21:04:03	मक	गुरु	मिथु	21:21:25	शनि	13/05/2027
शुक्र	27/02/2024	19:28:28	धनु	शुक्र	कन्या	07:53:18	बुध	18/08/2029
सूर्य	03/01/2025	20:21:44	मीन व	शनि व	वृष	20:44:04	केतु	25/07/2030
चन्द्र	04/06/2026	23:02:07	सिंह व	राहु व	मिथु	05:32:11	शुक्र	25/03/2033
मंगल	01/06/2027	23:02:07	कुंभ व	केतु व	धनु	05:32:11	सूर्य	11/01/2034
राहु	19/12/2029	11:27:02	मक	हर्ष व	मक	27:06:52	चन्द्र	13/05/2035
गुरु	26/03/2032	03:49:15	मक	नेप व	मक	12:06:56	मंगल	18/04/2036
शनि	04/12/2034	11:18:50	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:26:41	राहु	12/09/2038

लग्न-चलित

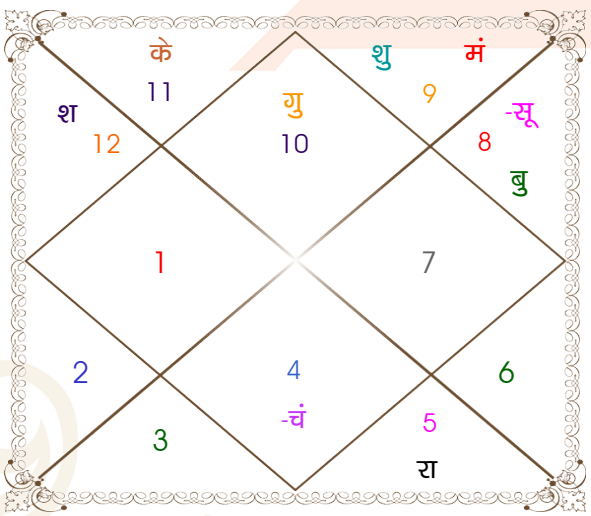

लग्न-चलित

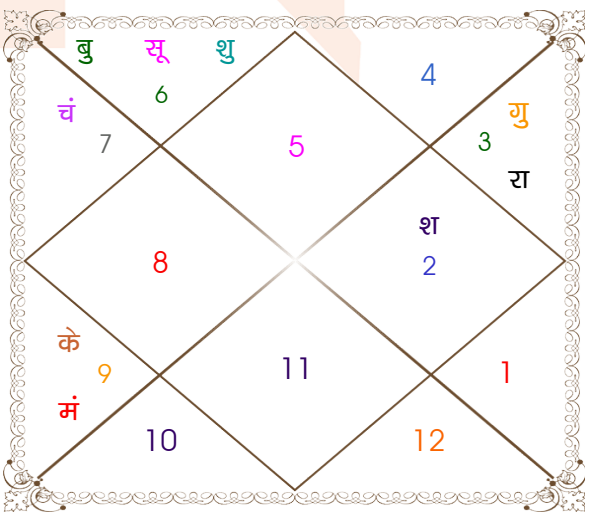

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Himanshu का वर्ग मेष है तथा Ranu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Himanshu और Ranu का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Himanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Himanshu कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ranu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ranu कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Himanshu तथा Ranu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।